कर्जा कम पड़ल

किताब का नाम → कर्जा कम पड़ल

भाषा → मगही

लेखक/कलाकार → सत्येन्द्र पासवान (अकबर

छपाई → नव भारत मिशन पूर्णिया (बिहार

1 भविष्यवक्ता लोग के ढेर
चेला में से लोगा के औ
एलीशा से छाती पीट-
के कहलन,

२. तोहर-चेला हमर मर्दान
मर गेलन है, तु जान ह
उ परमेश्वर के केतना S
मन हलथन।

३. हमर मर्दाना जेकरा से
कर्जा लेलन हल ऊ हम.
दोनो बेटा के अपन मजदु
बनाबे ला ले गेल।

1. एलीशा पूछलन हम तोहर
खातीर का करीओ, घर में छ
हब ? विधवा बोललन सीर्फ
हांड़ी में थोड़ा तेल है।
आऊ बाकी कुछ न हैय।

5. एलीशा कहलन तु बाहर जाके पड़ोसी सब के घर से जेतना खाली बरतन ले आवS।

६ तु अपने आइ बेटा सहीत
घर में जाके केवाड़ी बंद
करके तेल बरतन में उझलते
जइहऽ। आऊ जेतना भर भर
जतो अलग रखीह।

३. जब सब बरतन भर गेल
त अपन बेटा से कहलन
आइ बरतन लै आव, बेटा
कहलन अब एगो बरतन
खाली न हइ। त तेसर
गेल।

8. ई तेल बेच के अपन
कर्जा चुका के अच्छा जी
जीये लगलन।